जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 131 प्रभात चूरू, गुरुवार 8 सितम्बर, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

नॉर्थ कैरोलाइना के शहर राले में इन दिनों एक असाधारण मेहमान नज़र आ रहा है, जिसे देखने बड़ी तादाद में लोग आ रहे हैं। यहां के डिक्स पार्क में रंग बिरंगी पेंटेड बंटिंग चिड़ियाँ दिखाई पड़ रही हैं। यह बेहद दुर्लभ नज़ारा है क्योंकि ऐसे पक्षी तटवर्ती भागों में ही मिलते हैं। एन.सी. स्टेट युनिवर्सिटी में वाइल्डलाइफ और संरक्षण में पी.एच.डी. कर रही मरे बर्गैस ने कहा कि, हाल ही में जब उन्होंने एक पेंटेड बंटिंग को देखा तो उन्हें अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ, ''वह डिक्स पार्क में यहां- वहां उड़ रही थी और गा रही थी।'' बर्गैस को शत प्रतिशत तो यह नहीं पता कि यह साँग बर्ड यहां क्यों आई है पर उन्हें लगता है कि शायद ग्लोबल वॉर्मिंग इसका कारण हो सकता है। हर वर्ष लाखों साँग बर्ड उत्तरी अमेरिका से दक्षिण के उष्ण कटिबंधीय वनों में जाती हैं, सर्दियां गुजारने, पर इस दौरान वे प्रजनन नहीं करतीं। इस विशेषता को फॉल माइग्रेशन कहते हैं। हालांकि, माइग्रेशन का सीज़न गर्मी के मध्य या लेट समर से शुरु होता है लेकिन, प्रारंभिक प्रवासी पक्षी लो कंट्री (साउथ कैरोलाइना का तटवर्ती भाग) से गुजरने लगते हैं, इनमें शोर बड्र्स व कुछ साँग बड्र्स प्रमुख हैं। नॉर्थ कैरोलाइना में प्रजनन क्षेत्रों की स्थिति खराब होने की वजह से पेंटेड बंटिंग को ''स्पीशीज़ ऑफ कन्सर्न'' माना जाता है। ब्रीडिंग बर्ड सर्वे के अनुसार 1965 के बाद से पेंटेड बंटिंग की आबादी घटी है। पेंटेड बंटिंग कार्डिनल परिवार से हैं और मूलतः उत्तरी अमेरिका में मिलती हैं। इस प्रजाति में केवल नर के ही चमकीले और बहुरंगी पर होते हैं। जन्म से लेकर एक साल तक नर मादा एक जैसे लगते हैं पर जब नर अपने जीवन के दूसरे वर्ष में प्रवेश करते हैं तब उनके पर खूबसूरत और रंग -बिरंगे होने लगते हैं, उसके बाद ही नर व मादा अलग-अलग दिखाई देते हैं। नर पेंटेड बंटिंग को उत्तरी अमेरिका का सर्वाधिक खूबसूरत पक्षी माना जाता है, इसलिए इनको ''लाजवाब'' भी कहा जाता है। हालांकि अपने रंगबिरंगे पंखों से ये पक्षी आसानी से पहचान में आ जाते हैं पर शर्मीले स्वभाव के कारण घने पेड़ों में छुपे रहते हैं और आमतौर पर नजर नहीं आते। प्रजननकाल में अवश्य गाते हुए दिख जाते हैं क्योंकि तब ये गाना गाकर अपने क्षेत्र को चिन्हित करते हैं। प्रजननकाल में नर बहुत सक्रिय हो जाते हैं और मादा को रिझाने के लिए तितली की तरह उड़ते हैं, कभी -कभी तो शरीर को फुला लेते हैं। यही नहीं, प्रजननकाल में कई बार नरों का संघर्ष इतना हिंसक हो जाता है कि एक दूसरे को मार भी डालते हैं।

आयकर विभाग ने गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों पर देश भर में ''रेड'' की

इन्कम टैक्स विभाग इन पार्टियों से आय व खर्च के स्रोतों के बारे में जानकारी मांग रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। आयकर विभाग ने, टैक्स की चोरी के अखिल भारतीय स्तर के जाँच पड़ताल-अभियान के अन्तर्गत, बुधवार को कम से कम 7 राज्यों में छापे मारे। ये छापे ऐसे राजनैतिक दलों पर मारे गये, जो पंजीकृत तो हैं किन्तु मान्यता प्राप्त नहीं है। इस छापे मारी का उद्देश्य उनके संदिग्ध वित्तीय लेन-देन का पता लगाना हैं।

जिन राज्यों में छापे मारे गये हैं, उनके नाम हैं-महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा तथा दिल्ली।

सूत्रों ने कहा है कि इन्कम टैक्स विभाग ने राजनैतिक दलों तथा उनके प्रमोटरों के खिलाफ एक समन्वित कार्यवाही शुरू की है ताकि उनके आय-व्यय स्त्रोत की जांच की जा सके। उन्होंने बताया कि अवैध साधनों के जरिए राजनीतिक फण्डिंग के कुछ अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही हैं।

- **यह रेड चुनाव आयोग की प्रेरणा से की जा रही है, चुनाव आयोग ने 198 ऐसी राजनीतिक पार्टियों की लिस्ट जारी की है, जिनका उन पतों पर कोई अस्तित्व नजर नहीं आया, जो इन पार्टियों ने अपने ''लैटर हैड'' पर छापे हुए हैं।**
- **चुनाव आयोग ने यह भी घोषणा की, कि, वह 2100 ऐसी पार्टियों के खिलाफ कार्यवाही करने वाला है, जो पंजीकृत तो हैं, पर मान्यता प्राप्त नहीं। ये राजनीतिक पार्टियां चुनाव से संबंधित कानूनों की पूर्णतया अवहेलना कर रही हैं, जैसे न तो धन का विवरण पेश कर रही हैं कि, उन्हें कहां से कितना-कितना धन प्राप्त होता है और न ही अपने पते व पदाधिकारियों के नाम अपडेट करती हैं। कई ऐसी राजनीतिक पार्टियां गंभीर वित्तीय अनियमितता में लिप्त भी हैं।**
- **चुनाव आयोग ने यह भी निर्णय लिया है कि, इन राजनीतिक दलों से वे सुविधाएं वापस ली जायेंगी, जैसे कि चुनाव चिन्ह, जो उन्हें ''सिम्बल ऑर्डर'' (1968) के तहत प्राप्त हैं।**
- **चुनाव आयोग ने अपनी रिपोर्ट वित्त विभाग व जांच एजेंसियों को भी भेजी है, और जांच व दण्डनीय कार्यवाही करने के लिये।**
- **जैसा कि विदित ही है, देश में 2800 ऐसी राजनीतिक पार्टियां हैं, जो पंजीकृत तो हैं, पर मान्यता प्राप्त नहीं।**

समझा जाता है कि यह औचक कार्रवाई चुनाव आयोग द्वारा हाल ही की गई सिफारिश के आधार पर की गई हैं। आयोग ने भौतिक सत्यापन के दौरान हाल ही में कम से कम 198 संस्थानों को अस्तित्वहीन पाया था। उसने इसके बाद इन संस्थाओं को अपनी सूची में से अधिकारिक रूप से हटा दिया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बहुप्रतिष्ठित ''थिंक टैंक'' सी.पी.आर. पर भी आयकर विभाग के छापे

-डा. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। स्वतंत्र सोच रखने वालों एवं बुद्धिजीवियों के समुदाय को एक स्पष्ट संदेश देते हुए आयकर विभाग ने आज दिल्ली स्थित सार्वजनिक नीति के स्वतंत्र थिंकटैंक सैन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सी.पी. आर.) पर छापा मारा।

सूत्रों के अनुसार जांच कार्यवाही हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात व अन्य स्थलों पर एक साथ मारे गए छापों से संबंधित है। ये छापे 20 से अधिक ऐसी पार्टियों की फण्डिंग को लेकर मारे गए हैं जो पंजीकृत किन्तु गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं।

सी.पी.आर. ने अभी अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है क्योंकि उसके संचालक मण्डल के अधिकांश सदस्यों से सम्पर्क नहीं हो पा रहा हैं।

वर्ष 1973 में संस्थापित सी.पी.आर. स्वयं को गैर पक्षपाती और स्वतंत्र संस्थान बताता है, जो ऐसे अनुसंधानों को समर्पित है जिनमें भारत के जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों के बारे में अधिक ओजस्वी जन लेखन, बेहतर नीतियों और उच्च गुणवत्ता की विद्वता का समावेश होता है।

- **जाने-माने विचारक व शिक्षाविद् प्रताप भानु मेहता, इस संस्था के हैड रहे हैं। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरण व आई.आई.एम. के प्रोफेसर रामा बीजापुरकर भी इस संस्था निदेशक मण्डल के सदस्य हैं।**
- **थिंक टैंक का कहना है कि, वह कई राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से अनुदान प्राप्त करता है तथा उसके सारे अकाउन्ट्स व वित्तीय लेखा-जोखा, उसकी वैबसाइट पर भी उपलब्ध है।**

प्रासंगिक प्रश्न करना इसके प्रमुख लक्ष्यों में से एक हैं। यह एक ऐसा नैशनल सोशल साइंस इंस्टीट्यूट है, जिसे इण्डियन काउन्सिल ऑफ सोशल साईस रिसर्च से मान्यता प्राप्त हैं। सी.पी.आर. देश के सामाजिक राजनीतिक मुद्दों पर अनुसंधान करने के बाद उन्हें प्रकाशित करता रहा हैं।

सूत्रों ने जानकारी दी कि 10 से अधिक अधिकारियों की एक टीम सी.पी.आर. ऑफिस के भीतर है और खाता बहियों की विशेष रूप से जांच कर रही है। टीम वहां दोपहर करीब पंहुची और उसकी जांच चल रही हैं। भाजपा सरकार के कट्टर आलोचक एवं शिक्षाविद् प्रताप भानु मेहता कभी इसके अध्यक्ष थे। वर्तमान में सी.पी.आर. संचालक बोर्ड की अध्यक्ष मीनाक्षी गोपीनाथ हैं। वह एक राजनीतिक विज्ञानी हैं, जो जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में शिक्षक रहने के अलावा दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज में प्रिंसिपल रही हैं। यामिनी अय्यर इसकी प्रैसिडैण्ट एवं मुख्य कार्यकारी हैं। सी.पी.आर. के संचालक मण्डल सदस्यों में पूर्व विदेश सचिव श्याम सरण और आई.आई.एम. प्रोफैसर रमा बिजापुरकर शामिल हैं।

अपनी फण्डिंग को लेकर यह थिंकटैंक अपनी वैबसाइट में कहता है कि वह भारत सरकार द्वारा नॉट-फोर प्रोफिट संस्था के रूप में मान्यता प्राप्त है और उसे मिलने वाले अंशदान आयकर से मुक्त हैं।

वैबसाइट में कहा गया है कि ''सी.पी.आर. को विभिन्न घरेलू तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्त्रोतों से अनुदान मिलता है जिनमें फाउण्डेशन्स, कॉरपोरेट मानवतावादी, सरकारें और विविध एजेन्सियां शामिल हैं।'' थिंक टैंक का कहना है कि ''उसके वार्षिक वित्त एवं अनुदानों का पूरा लेखा-जोखा वैबसाइट पर उपलब्ध हैं।

स्वतंत्र थिंक टैंक पर छापे की कार्रवाई या तो एक संयोग है या उस छापे का समय ऐसे दिन चुना गया, जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत करते वक्त कहा है कि संस्थानों को निशाना बनाया जा रहा है।

सी.पी.आर. मोदी सरकार के कई कदमों और नीतियों की आलोचना करता रहा है। उसकी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता है। देश का शिक्षित समुदाय उसके प्रकाशनों और अनुसंधान लेखों को गंभीरता से लेता रहा हैं।

'मक्खन बाजी'

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। गांधी परिवार राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने बिल्कुल नज़दीक, अपनी बगल में ही, रखे हुये हैं तथा ''भारत जोड़ो यात्रा'' के शुभारम्भ के अवसर पर, कन्याकुमारी में वे खासतौर से राहुल गांधी के साथ ही दिखाई दे रहे थे।

- **कन्याकुमारी में भारत जोड़ो यात्रा के शुभारम्भ के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी की तारीफ में सभी हदें पार कीं, पर क्या यह मक्खन बाजी उन्हें बचा पाएगी।**

गहलोत को प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने की जिम्मेदारी दे दी गई, जहाँ उन्होंने राहुल गांधी की प्रशंसा के पुल बाँधने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वे बार-बार माँग किये जा रहे थे कि राहुल गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनना चाहिये तथा वे एवं गांधी परिवार मिलकर पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस/चीन व अमेरिका के तनाव व मतभेदों के मध्य भारत के लिए अपनी नाव खेना और कठिन होगा?

भारत के लिये सिरदर्द बनी शी व पुतिन के बीच वन-टू-वन मुलाकात उज़बेकिस्तान में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। भारत के सामने एक गंभीर कूटनीतिक चुनौती आ रही है क्योंकि चीन नियंत्रित संगठन शंघाई को ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एस.सी.ओ.) की वजह से चीन के राष्ट्रप्रमुख शी जिनपिंग और रुस के प्रमुख व्लादिमीर पुतिन के एक साथ आने और बातचीत करने की संभावना बढ़ रही है। एस.सी.ओ. का शिखर सम्मेलन 15 से 16 सितम्बर के बीच उज़्बेकिस्तान की राजधानी में होगा।

शी एवं पुतिन की यह मुलाकात अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम ओर दो ''लिमिटलैस'' मित्रों रुस व चीन के बढ़ते टकराव के कारण महत्वपूर्ण है। रुस की न्यूज एजेंसी तास ने दोनों नेताओं की मुलाकात की घोषणा की है।

- **शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन (एस.ओ.सी.) के समारोह में प्रस्तावित इस मुलाकात से भारत चौकन्ना इसलिये है कि, चीन में आयोजित ''विन्टर ओलंपिक'' के पहले भी शी व पुतिन के बीच वन-टू-वन मुलाकात हुई थी और दोनों ने अपार ''सीमा रहित'' दोस्ती का वादा किया था एक दूसरे से।**
- **क्या शी व पुतिन ऐसी कोई नयी व गहरी दोस्ती का ताजा इज़हार तो नहीं करेंगे, एस.ओ.सी. सम्मेलन में।**
- **चीन लगातार भारत की सीमा पर तनाव बनाये हुए है तथा हिन्द महासागर में नये-नये समझौते कर, ''नेवल बेस'' बनाकर भारत को घेरने का प्रयास और तेज करता जा रहा है।**

भारत के लिए परेशानी की बात यह है कि पाकिस्तान भी एस.सी.ओ. का सदस्य है।

रुस की न्यूज़ एजेंसी तास इन दिनों रुस के निरंकुश शासक पुतिन का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिलेश ने मौर्य का नाम चलाया

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। बिहार में अत्यन्त तीव्र गति से हुये राजनैतिक बदलाव ने विपक्षी नेताओं को एक नई ऊर्जा प्रदान कर दी हैं। इन नेताओं में समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव भी शामिल हैं, जिन्होंने योगी आदित्यनाथ के स्थान पर भाजपा नेता

- **जैसा कि विदित है कि, अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मौर्य को प्रलोभन दिया है कि, अगर वे अपने साथ 100 विधायक ले आएं तो उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। कहा जा रहा है कि, अखिलेश इस कदम से योगी-शाह के मतभेदों का लाभ उठाना चाहते हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के दबाव में डी.एम.के. को अपना कार्टून वापस लेना पड़ा

पर, क्या भाजपा का हिन्दूवादी एजेण्डा, ''क्लिक'' करेगा तमिलनाडू में?

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। जैसा होता आया है, भाजपा सदैव ही राजनैतिक तापमान बढ़ाने के मौकों की तलाश में रहती है, खासतौर से ऐसे राज्यों में, जहाँ वह प्रवेश करना या अपना विस्तार करना चाहती है। और तमिलनाडु ऐसा ही राज्य है। लेकिन बुधवार को डी.एम.के. (द्रमुक) ने भाजपा को एक मुद्दा थमा दिया, जिसका पूरा-पूरा अनुचित लाभ लेने की कोशिश उसने शुरू कर दी है।

डी.एम.के. की आई.टी. विंग के प्रमुख टी.आर.बी. राजा, जो वरिष्ठ डी.एम.के. नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री टी.आर. बालू के पुत्र हैं, ने हिन्दुत्व-विचारक वीर सावरकर का एक व्यंग्य चित्र (कैरिकेचर) ट्विटर पर पोस्ट कर दिया, जिसके खिलाफ दक्षिणपंथी तंत्र ने तत्काल ही निन्दा-अभियान छेड़ दिया। और भी खास बात यह हुई कि राजा के खिलाफ नफरत फैलाने के आरोप लगाये जाने लगे। राज्य के भाजपा नेता अमर प्रसाद रेड्डी ने कहा कि राजा के ट्वीट में वीर सावरकर को एक कौए पर सवार दिखाया गया है, जो हिन्दू देवता, भगवान महाविष्णु का मुकाबला कर रहा है तथा इस प्रकार हिन्दू-भावनाएं आहत हुई हैं।

- **इस बारे में राजनीतिक दलों व गंभीर राजनीतिक विचारकों में मतैक्यता नहीं है।**
- **पुराना परम्परागत सोच तो यह है कि, दक्षिण भारत में भाजपा का ब्राह्मण परस्त फॉर्मूला सदा की तरह फेल होगा, क्योंकि, वहां जनता जाति आधारित राजनीति व पार्टी की ''आइडिऑलजी'' से ही प्रेरित होती है तथा हिन्दुत्व व हिन्दूवाद का नारा सफल नहीं होगा।**
- **दूसरा मत यह है कि, हिन्दी विरोधी भावना कमजोर पड़ी है समय के साथ-साथ तथा एक परिवार पर आधारित डी.एम.के. का मॉडल भी पुराना हो गया, जिसका समय बीत गया है, अतः भाजपा का सोच इतना बेवकूफी पूर्ण निर्णय नहीं है।**

रेड्डी ने कहा कि पुलिस ने डी.एम.के. आई.टी. प्रकोष्ठ-प्रमुख तथा विधायक राजा की इस पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है। इस शिकायत को दर्ज कराने वाले, तमिलनाडु भाजपा के सचिव एस.जी. सूर्या ने कहा कि इस ट्वीट से शान्ति भंग हो सकती है। राजा ने लोगों की नाराजगी के कारण बने इस ट्वीट को डिलीट भी कर दिया था।

लेकिन इस ट्वीट को डिलीट कर देने का भाजपा पर कोई असर नहीं हुआ है। भाजपा कह रही है कि राजा हिन्दू देवताओं का उपहास करने का अपराध बार-बार करते हैं। भाजपा ने डी.एम.के. पर कड़ा प्रहार करते हुये, उसे हिन्दू विरोधी बताया।

साफ बात यह है कि भाजपा ने आक्रामक मुद्रा अपना ली है तथा वह डी.एम.के. को मात देने के लिये अपनी सुविधानुसार किसी भी मुद्दे को काम में ले सकती है। उसने तमिलनाडु, जो इस हिन्दुत्व-समर्थक पार्टी का पक्षधर नहीं रहा है, में लोगों की सोच पर और ज्यादा कब्जा करने की कोशिश की है। वस्तुतः भाजपा ने प्रमुख विपक्षी दल ए.आई.ए.डी.एम.के. (अन्ना द्रमुक) जो पहले ही अंदरूनी लड़ाई में उलझी हुई है, के साथ मिलकर विपक्ष की भूमिका ग्रहण कर ली है।

लेकिन क्या तमिलनाडु जो एक औद्योगिक, प्रगतिशील तथा समृद्ध राज्य है, में भाजपा की आक्रामक हिन्दुत्व राजनीति कारगर रहेगी। तमिलनाडु सदैव ही दो द्रविड़ दलों में से किसी एक का विश्वास करता आया है।

राजनैतिक विश्लेषकों को इस समय राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंधुआ मजदूरों का मजाक

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट की दो जजों वाली बैंच के जस्टिस हेमन्त गुप्ता ने जम्मू तथा कश्मीर के ईंट भट्टों से मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूरों के शोषण को लेकर दायर किए गए एक केस की बुधवार को मज़ाक किया।

- **सुप्रीम कोर्ट में बंधुआ मजदूरों के एक केस की सुनवाई करते हुए जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कहा कि, बंधुआ मजदूर असल में बंधुआ नहीं हैं, वे पैसे ले लेते हैं और काम बीच में छोड़कर भाग जाते हैं।**

याचिकाकर्ता के वकील द्वारा यह निवेदन करने के बावजूद कि कई बंधुआ मजदूर यौन उत्पीड़न तक के शिकार हुए हैं, और 10 वर्ष बाद भी उन्हें कोई पैसा नहीं दिया गया है, जस्टिस गुप्ता ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)